GRAM : University

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

प्रेस विज्ञप्ति

दुनियाँ में पहला अपसाइकिलिंग केन्द्रः कानपुर का परचम लहराया

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में वेस्ट/डेबरिस, कचरा रिसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग के लिए सेन्टर ऑफ ऐक्सिलन्स का उद्घाटनः

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में "सेन्टर फॉर एक्सीलेन्स – रिसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग" का उद्घाटन दिनांक 27 जुलाई, 2021 को वर्चुअल मोड द्वारा मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक द्वारा किया गया।

आयोजन के शुभारम्भ में मा0 कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक, नें बताया गया कि किस प्रकार संचय विकास, शहरीकरण, औद्योगीकरण और जनसंख्या में वृद्धि, कचरे में तेजी से उत्पादन तथा कचरे का उचित नियोजन न होना, समस्या का कारण है। हाल ही में कोरोना वायरस प्रकोप के कारण जैव–चिकित्सा कचरे में भारी वृद्धि हुई है। वर्तमान में संसाधनों की कमी की वैश्रिवक समस्या और कचरे को कम करने की आवश्यकता ने पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन मॉडल के महत्व में वृद्धि की है।

इस कार्यक्रम का विशिष्ट भाग छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और सृजन संचार के बीच एम.ओ.यू., अनुबन्ध समझौता रहा, जिसे प्रो0 सुविज्ञा अवस्थी, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और अदितेन्द्र जयसवाल ने सम्पन्न किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित हैकेथॉन 2021 के परिणामों की घोषणा की गयी जिसमें रू0 15,000/ की राशि दो प्रथम विजेताओं को, रू0 10,000/ की राशि द्वितीय विजेताओ तथा रू0 5,000/ की राशि तृतीय विजेताओं को दी गयी।

इस कार्यक्रम में श्री अदितेन्द्र जायसवाल, लीड एनेबलर, सृजन संचार ने अपने व्याख्यान में बताया कि "इनोवेशंस आर आइडियाज इन एक्शन" से प्रेरित होकर संचार संगठन ने कई इनोवेशन प्रशिक्षण तथा नूतन एवं नवीन प्रयोग–निर्माण, गुणवत्ता, पैकेजिंग, सौर ऊर्जा, सामग्री प्रबंधन, शहरी परिवहन इत्यादि क्षेत्र में किये है।

श्री जसवीर सिंह, चेयरमैन तथा सी.ई.ओ एम्बर इंटरप्राइजेस ने अपने व्याख्यान में ई–कचरा और उपकरण रिसाइक्लिंग पर चर्चा की।

श्री अनिल चौधरी, महाप्रबन्धक, एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड ने बताया कि बैटरी रिसाइक्लिंग में किस प्रकार कचरे से निकिल, जस्ता, लिथियम जैसे हानिकारक पदार्थो की मात्रा को कम कर सकता है और इस रिसाइक्लिंग तथा अपसाइकिलिंग को अवसर में बदला जा सकता है।

जापान के क्योटो विश्वविद्यालय से डॉ0 रजित चटर्जी, सह संस्थापक, रिजिलियन्स इनोवेशन नॉलेज एकॉडमी ने भोजन का उदाहरण देते हुए बताया कि जिस प्रकार भोजन के मूल्य का पुनः उपयोग पोषण के ज्ञान से किया जाता है उसी प्रकार कचरे की रिसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग में शिक्षा और शिक्षाविदों की अहम भूमिका है। उन्होने कहा कि हर प्राकर से अनिश्चितता की स्थिति से निपटने के लिए हमें तैयार होना पढ़ेगा, इसी लिये कचरा प्रबन्धन आगे के युग के लिये चुनौती है।

कार्यशाला में हावर्ड यूनिर्वसिटी से उपाधि प्राप्त संयुक्त राज्य आमेरिका से डॉ0 अशोक खोसला, अध्यक्ष, आई.यू.सी.एन. ने इनोवेशन, स्केलअप, वित्तीय सहायता स्थानीय उद्यमियों की जरूरतों के बारे में चर्चा की। उन्होने सतत् विकास के लिए संसााधनों के प्रबंधन की जरूरतों का भी उल्लेख किया। उन्होने कहा कि तकनीक से निकटता बनाना वर्तमान की आवश्यकता है। उन्होने कुलपति तथा टीम को इस नवाचार हेतु बधाई देतु हुऐ प्रशंसा की और कहा कि विश्वविद्यालय एक कुशल नेतृत्व में ऊँचाइयों को छूने के लिये अग्रसर है। उन्होंनें कहा कि उपसाइकिलिंग हेतु कुछ लचीला होना पड़ेगा नये बिजनस मॉडल तैयार करने होंगे तथा नई संभावनाये ढूँढ़नी पड़ेंगी।

श्री शैलेन्द्र जयसवाल, प्रधान कार्यकारी निदेशक, आर.डी.एस.ओ. ने टायरों से चप्पल तक के पुनर्चक्रण के बारे में चर्चा की तथा नए ज्ञान और पुराने उत्पादों के फ्यूजन की आवश्यता पर बल दिया।

यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैण्ड से प्रो0 आनन्द पटवर्धन ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के बढ़ते कदम तथा सृजन संचार के साथ अनुबन्ध को महत्व देते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में विश्व को ऐसे संयुक्त कार्य को प्रदर्शित तथा क्रियान्वयन की आवश्यकता है। उन्होने छात्रों को नवाचार के लिये प्रोत्साहित किया तथा नवोन्मेष हेतु उद्योग जगत को आगे की सम्भावनायें बतायी। उन्होने बताया कि प्रकृति में हर चीज एक संसाधन है और हर चीज का एक मूल्य है, और इस सिद्धान्त का उपयोग सतत् विकास के लिए किया जा सकता है।

कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, उद्योग जगत के हस्तियों सहित विभिन्न विभागों के छात्र सम्मिलित हुए। इस अवसर पर डॉ0 रिचा वर्मा, डॉ0 नेहा श्रीवास्तव ए. के.टी.यू., डॉ0 एकता खरे, डॉ0 राशि अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। डॉ0 विवेक सचान ने सहयोग प्रदान किया।

प्रो0 सुविज्ञा अवस्थी
डीन
सी–पेयर